भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 399
22 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: तिलहन से मक्का की ओर किसानों का तीव्र रुझान और खाद्य तेल आत्मनिर्भरता पर प्रभाव

399. श्री सुखदेव भगत:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किसानों द्वारा घरेलू तिलहन कीमतों में कमी के कारण, सरकार के खाद्य तेल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के बावजूद, बड़ी संख्या में तिलहन से मक्का की ओर फसल परिवर्तन किया जा रहा है, जैसा कि दिनांक 30 जून, 2025 की मंत्रालय की रिपोर्ट में दर्शाया गया है; और
(ख) इस प्रवृत्ति को रोकने और खाद्य तेल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य या आयात शुल्क जैसे कौन कौन से नीतिगत हस्तक्षेपात्मक उपाय लागू किए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, तिलहन की खेती का रकबा वर्ष 2023-24 में 301.92 लाख हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 302.65 लाख हेक्टेयर हो गया है। तिलहन का उत्पादन भी वर्ष 2023-24 में 396.69 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 426.09 लाख टन हो गया है।

घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) की ओर बढ़ने के लिए 3 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ-ओएस) को मंजूरी दी गई थी। तिलहनों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) हर साल उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना घोषित किया जाता है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत खरीद में तिलहन भी शामिल हैं और इससे किसानों को बेहतर मूल्य और आय सहायता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

******